अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 470, वर्ष 37

राँची, 30 सितम्बर, 2013

कोल इंडिया अध्यक्ष ने सीसीएल के कार्य–निष्पादन की समीक्षा की

अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड, श्री एस. नरसिंग राव ने मुख्यालय के 'कोल रूम' में सीसीएल के कार्य– निष्पादन की समीक्षा की। बैठक में सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह, निदेशक (तक./संचा.) श्री टी के नाग, निदेशक (वित्त) श्री डी के घोष, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्रीमती विस्मिता तेज, सहित मुख्यालय के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक से पहले श्री राव ने मुख्यालय स्थित ''शहीद स्मारक'' पर पुष्पांजलि प्रदान कर दिवंगत कोयला कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अध्यक्ष महोदय ने सीएमडी, निदेशकगण तथा सभी विभागाध्यक्षों से कार्य–निष्पादन के संबंध में सीधे संवाद किया तथा उन्हें एक टीम की तरह काम करने के दिशा–निर्देश दिये। श्री राव ने सीसीएल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली एवं अब तक दूसरी तिमाही का कार्य–निष्पादन संतोषप्रद है। श्री राव ने कहा कि आगे के छः महीने का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्री गोपाल सिंह के नेतृत्व में सीसीएल अपने 53.5 मिलियन टन के कोयला उत्पादन लक्ष्य तथा 57.2 मिलियन टन के प्रेषण लक्ष्य को हासिल करेगी। उन्होंने विस्तार से

समीक्षा बैठक में अध्यक्ष, कोल इण्डिया उपस्थित सी.एम.डी. निदेशकगण, सी.वी.ओ एवं विभागाध्यक्षों को संबोधित करते हुए।

कार्य–निष्पादन के अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की, जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

सी. एम. डी. श्री गोपाल सिंह ने कम्पनी से संबंधित सभी मुद्दे जैसे कोयला उत्पादन, प्रेषण, ओ.बी. रिमुवल, सीएसआर की गतिविधियों के अन्तर्गत 'कायाकल्प योजनाएँ' आदि के विषय में पावर प्वाइंट के माध्यम से विस्तार से अध्यक्ष, कोल इंडिया को जानकारी दी। श्री सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष अगस्त माह में एन के क्षेत्र के पुरनाडीह क्वेरी संख्या 01 का उद्घाटन कर कम्पनी ने कोयला उत्पादन क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल की है। इस खदान की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.4 मिलियन टन है। श्री सिंह ने ग्रीनफील्ड पुरनाडीह परियोजना में कार्य आरंभ होने के संबंध में बताते हुए कहा कि विस्थापित ग्रामीण भी अब सीसीएल के कार्य पर भरोसा करने लगे हैं, जो एक सकारात्मक पक्ष है। डी ए वी स्कूल गांधीनगर में ''सीसीएल के लाल'' योजना के तहत 22 बच्चों की निःशुल्क शिक्षा, कोचिंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही हमारा यह कार्यक्रम आनेवाले वर्षों में भी जारी रहेगा। पिपरवार क्षेत्र, चतरा जिला के संत जोसेफ स्कूल, मंडेर में 78 गरीब बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा दी जा रही है जिसमें उनके रहने, खाने, शिक्षण सामग्री एवं अन्य सभी जरूरतों को सीसीएल प्रबंधन पूरा कर रही है। श्री सिंह ने अध्यक्ष महोदय को विश्वास दिलाया कि सीसीएल अपने समर्पित कर्मियों के बल पर वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृतसंकल्प है।

हिन्दी दिवस – कथारा क्षेत्र को प्रथम पुरस्कार

सभा को संबोधित करते श्री टी के नाग नि. (त./संचा.), मुख्य अतिथि तथा अन्य विशिष्ट अतिथिगण

सांसद (राज्य सभा) श्री धीरज प्रसाद साहु तथा नि.(त./सं.) ट्राफी प्रदान करते हुए

कार्यालयीन काम–काज में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यालय में विगत 2 सितंबर से 30 सितम्बर तक राजभाषा–माह का प्रारंभ विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ किया गया। 14 सितम्बर को मुख्य अतिथि तथा सांसद (राज्यसभा) और कोयला मंत्रालय के हिन्दी सलाहकार समिति के अध्यक्ष तथा प्रेक्षक सीसीएल, श्री धीरज प्रसाद साहु एवं निदेशक (तक./संचा.) श्री टी के नाग की अध्यक्षता में एवं प्रख्यात विद्वान श्री रवि भूषण, निदेशक (कार्मिक) श्री आर आर मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्रीमती विस्मिता तेज की उपस्थिति में कोल इंडिया कारपोरेट गीत के साथ राजभाषा माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले हिन्दी और हिन्दीत्तर भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को, जिन्होंने निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण–आलेखन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कम्प्यूटर पर हिन्दी टाइपिंग प्रतियोगिता में भाग लिया उन्हें पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले 240 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

समारोह में सीसीएल के सभी क्षेत्रों तथा मुख्यालय के सभी विभागों में राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु कथारा क्षेत्र को प्रथम, ढोरी क्षेत्र को द्वितीय तथा अरगडा क्षेत्र को तृतीय पुरस्कार हेतु शील्ड तथा इसी प्रकार सीसीएल मुख्यालय के प्रशासन विभाग को प्रथम, जनसंपर्क विभाग को द्वितीय एवं भू–राजस्व विभाग को तृतीय पुरस्कार रूपी शील्ड से मुख्य अतिथि श्री धीरज प्रसाद साहु तथा निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री टी के नाग ने सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि श्री धीरज प्रसाद साहु ने समारोह में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। उन्होंने सीसीएल और इसके कार्यक्षेत्र में सरल हिन्दी भाषा के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर, श्रमिकों की भाषा हिन्दी है। इसलिए यहां के कर्मचारी एवं अधिकारी कार्यालयीन दिनचर्या में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें क्योंकि यह श्रमिकों की भाषा है।

समारोह के अध्यक्ष श्री नाग ने उपस्थित सभी को हिन्दी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हिन्दी को सम्मान देने की बात कही और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं लगातार होनी चाहिए जिसमें हिन्दी के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा मिले। हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिन्दी का विकास तथा हिन्दी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है क्योंकि हिन्दी का विकास भारतीयता का विकास है।

अपने संबोधन में प्रमुख वक्ता श्री रवि भूषण ने कहा, भाषा का प्रश्न जीवन का प्रश्न है। जीवन से जुड़े किसी भी पहलू से भाषा जुड़ी रहती है क्योंकि मनुष्य जो सोचता है वह अपनी ही भाषा में सोचता है। हिन्दी भाषा हमारे देश का सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक आधार है। कार्यालय के कार्यों में सरल भाषा का उपयोग करें।

विशिष्ट अतिथि निदेशक (कार्मिक) श्री आर आर मिश्र ने कहा कि हम सभी की सम्पर्क भाषा हिन्दी है, अतः हमें हिन्दी में बोल–चाल के साथ लिखना भी चाहिए। आज के तकनीकी युग में कम्प्युटर या मोबाईल में भी हिन्दी में लिखने की पूरी व्यवस्था है। जरूरत है सिर्फ शुरूआत करने की। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती विस्मिता तेज ने सर्वप्रथम सभी हिंदुस्तानियों को हिन्दी दिवस की बधाई दी और कहा कि हम भारतीय हैं और हमें अपनी राजभाषा पर ठीक वैसा ही गर्व करना है जैसा हम सभी अपने राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान पर करते हैं।

स्वागत भाषण एवं मंच संचालन श्री मथुरा प्रसाद पांडे ने किया। मंचासीन अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया जबकि श्री आर एस महापात्रा, महाप्रबंधक (कर्मचारी स्थापना) ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कोल इंडिया को माइनिंग मजमा में द्वितीय पुरस्कार

कोल इंडिया लिमिटेड ने बेंगलुरू मे आयोजित ''माइनिंग मजमा 2013'' में केन्द्रीय पीएसयू की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। 19 सितम्बर से 21 सितम्बर तक चली यह प्रदर्शनी फेडरेसन ऑफ इंडियन मिनिरत्न इंडस्ट्रीज एवं भारत सरकार (खान मंत्रालय) द्वारा प्रायोजित एवं विभिन्न कंपनियों की सहभागिता से आयोजित की गई थी। अवसर विशेष पर सीसीएल ने अपने स्टॉल में सीएसआर की पहल, आने वाली परियोजनाएं आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला था। पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि श्री एस विजय कुमार, सचिव, भारत सरकार (ग्रामीण मंत्रालय) ने कोल इंडिया, सीसीएल और एमसीएल से आए प्रतिनिधियों को पुरस्कार के रूप में ट्राफी प्रदान की।

हिन्दी ही हमारे राष्ट्रीय एकीकरण का सबसे शक्तिशाली और प्रधान माध्यम है – कन्हैयालाल मुंशी

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : निवेदिता बनर्जी, वरीय अधिकारी (रा.भा.), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित।

(आंतरिक वितरण हेतु)